पर्यावरणीय अवनयन : चुनौतियां एवं समाधान पर हुई संगोष्ठी

खास बात

पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की अनिवार्यता पर दिया

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। जेएस हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में गुरूवार को ह्लपर्यावरणीय अवनयन : चुनौतियां एवं समाधानह्ल विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्राचार्य प्रो0 वीर वीरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी में निर्णायक मंडल द्वारा तीन उत्कृष्ट वक्ताओं का चयन किया गया। जिन्हे प्रमाण-पत्र देकर पुरुस्कृत किया गया। छात्रा कुमारी सौम्या, छात्र शरद एवं कुमारी तनु ने क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 वीर वीरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर स्थानीय स्तर की कई ज्वलंत एवं गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। साथ ही उन समस्याओं के समाधान भी बताई। पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रतिबद्धता की अनिवार्यता पर भी बल दिया।

प्रो0 वीर वीरेंद्र सिंह ने पॉलिथिन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए सभी से प्रतिज्ञा की अपील की। साथ ही विभाग के विद्वान प्राध्यापकों ने भी पर्यावरणीय अवनयन की जवलंत समस्या को लेकर महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए।

संगोष्ठी के संचालक डॉ0 उमेश ने संगोष्ठी जैसे पाठ्येत्तर कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला कि किस प्रकार ये आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉक्टर मनोज सिंह ने पूंजीवाद के पोषक विकास के वर्तमान मॉडल पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए विकास के पर्यावरण मित्र मॉडल को अपनाने की जोरदार अपील की। डॉक्टर देवेंद्र कुमार ने पर्यावरण संरक्षण हेतु जनभागीदारी की महत्ता पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं के उत्साहपूर्वक प्रतिभाग ने संगोष्ठी को सफल बनाया।

इस दौरान विभागीय प्राध्यपक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विधान केसरी

अमरोहा/आज

जेएस कालेज में हुआ एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

अमरोहा (विधान केसरी)। जेएस हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के भूगोल विभाग में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन र्यावरणीय अवनयनः चुनौतियां एवं समाधान विषय पर किया गया। संगोष्ठी में दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। संगोष्ठी में निर्णायक मंडल द्वारा तीन उत्कृष्ट वक्ताओं का चयन किया गया जिन्हे प्रमाण पत्र देकर पुरुस्कृत किया गया। छात्रा सौम्या, छात्र शरद एवं तनु ने क्रमश प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह ने स्थानीय स्तर की कई ज्वलंत एवं गंभीर समस्याओं की और ध्यान आकृषित किया। साथ ही उन समस्याओं के समाधान भी बताए। पर्यावरण संरक्षण हेतु सामूहिक प्रतिबद्धता की अनिवार्यता पर भी बल दिया। उन्होने पॉलिथिन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध हेतु सभी से प्रतिज्ञा की अपील की। विभाग के प्राध्यापकों ने भी पर्यावरणीय अवनयन की जवलंत समस्या को लेकर महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किए। संगोष्ठी संचालक डॉ. उमेश ने संगोष्ठी जैसे पाठ्येत्तर कार्यक्रम की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला कि किस प्रकार ये आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉ. मनोज सिंह ने पूंजीवाद के पोषक विकास के वर्तमान मॉडल पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए विकास के पर्यावरण मित्र मॉडल को अपनाने की जोरदार अपील की ताकि हम हमारे नीले ग्रह के सुंदर अस्तित्व को सुरक्षित एवं संरक्षित रख सके। इसी में मानव जाति का कल्याण निहित है। डॉ. देवेंद्र कुमार ने पर्यावरण संरक्षण हेतु जनभागीदारी की महत्ता पर प्रकाश डाला। छात्र-छात्राओं के उत्साहपूर्वक प्रतिभाग ने संगोष्ठी को सफल बनाया। इस दौरान डा. संगीता धामा आदि मौजूद रहे।